

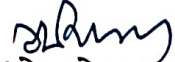
75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

જા.નં./મા-૨/પરચ/૨૦૨૨/વશી.૯૦/૪૯૨૯

જિલ્લા શિક્ષણાધિકારીની કચેરી,
ઁ/૩, જિલ્લા સેવા સદન-૨,
અઠવાલાઈન્સ, સુરત
Web : suratdeo.org
Email : suratdeo@gmail.com
તા.૩૧/૦૩/૨૦૨૨

પ્રતિ,
આચાર્યશ્રી,
તમામ માધ્ય. અને ઉચ્ચ.માધ્યમિક શાળાઓ
સુરત. જિ.સુરત

૨/- નકલ રવાના જાણ સારું...


(એચ.એચ.રાજયગુરુ)
જિલ્લા શિક્ષણાધિકારી
સુરત, જિલ્લો-સુરત



भारत सरकार/Government of India
शिक्षा मंत्रालय / Ministry of Education

उच्चतर शिक्षा विभाग / Department of Higher Education

भारतीय भाषा संस्थान /Central Institute of Indian Languages

मानसगंगोत्री, हुणसूर रोड, मैसूर -570006 / Manasagangotri, Hunsur Road, MYSURU- 570006



BY SPEED POST
March 17, 2022

F.No.6/8-10/2022-23/RLC/Advt.

To

25.	District Education Officer 3 rd Floor, B/3, Zilla Seva Sadan-2, Aathva Line, Surat-395001 Gujarat. Ph.: 261-2476716
-----	--

Sub: Deputation of Teachers to 10-Month Diploma in Language Education for the academic session 2022-23- reg.

Sir/Madam,

I am directed to inform you that the Admission for 10-Month Diploma in Language Education in 20 scheduled Indian Languages will commence from **August 1, 2022** in the following seven Regional Language Centres of the Institute for teachers from Government/Fully Government Aided Schools.

Sl.No.	Centres	Languages
1	Southern Regional Language Centre, Mysuru	Kannada, Malayalam, Tamil & Telugu
2	Eastern Regional Language Centre, Bhubaneswar	Bengali, Maithili, Oriya & Santali
3	Western Regional Language Centre, Pune	Gujarati, Konkani, Marathi & Sindhi
4	Northern Regional Language Centre, Patiala	Dogri, Kashmiri, Punjabi & Urdu
5	Urdu Teaching and Research Centre, Solan	Urdu
6	Urdu Teaching and Research Centre, Lucknow	Urdu
7	North Eastern Regional Language Centre, Guwahati	Assamese, Bodo, Manipuri & Nepali

The prescribed application form and prospectus for admission can be downloaded from our website [www.ciil.org/ ltp.aspx](http://www.ciil.org/ltp.aspx). The last date for receipt of filled-in applications is **30.4.2022**.

Keeping in view the NEP 2020 recommendations, in order to continue to implement the three-language formula effectively across the country, unlike the previous years, the RLCs. have a larger role in providing training to a significant number of In-service Teachers in the VIII Schedule languages of the Constitution through the 10-month intensive course.

I am enclosing herewith a copy of the application form and prospectus for your ready reference. I request you to kindly circulate this information among all the school teachers under your jurisdiction and see that their HODs and BEOs/DEOs or the relieving authorities to depute teachers for the Language training.

Yours faithfully,

Asst. Director (Admn.) i/c

Encl: a/a

शिक्षा विभाग, भारत सरकार, दिल्ली, भारत.
माध्यम : 20/1-2/2022
तारीख :- 30/3
संख्या :- 30/3
स.दि :-



भारतीय भाषा संस्थान

(शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार) हुणसूर रोड, मानसगंगोत्री, मैसूर - 570 006

CENTRAL INSTITUTE OF INDIAN LANGUAGES

(Ministry of Education, Department of Higher Education, Government of India)

Hunsur Road, Manasagangotri, Mysuru - 570 006.

भाषा शिक्षा में 10-माह के डिप्लोमा में वर्ष 2022-23 में प्रवेश हेतु आवेदन-पत्र (अंतिम तिथि: 30 अप्रैल 2022)

APPLICATION FOR ADMISSION TO 10-MONTH DIPLOMA IN LANGUAGE EDUCATION
FOR THE YEAR 2022-23 (Last Date: 30th April 2022)

विधिवत भरे तथा rlc.ltp.app@gmail.com पर भेजे गए आवेदन-पत्रों की अग्रिम प्रति भी स्वीकार की जाएगी।

(Advance copy of the duly filled in applications sent to rlc.ltp.app@gmail.com will be considered)

ध्यान दें: Note:

- सेवारत शिक्षकों को अपना आवेदन-पत्र उच्चाधिकारियों के सह-पत्र और कार्यालयी मुहर के साथ (जैसा कि पृष्ठ सं. 7 पर दिया गया है) आवेदन करना आवश्यक है।
It is mandatory for the in-service teachers to submit their applications through the higher authorities (as indicated on page No.7) with a covering letter & Office Seal.
- बी.एड/एम.एड और बी.एल.एड/ डी.एल.एड या टेट डिग्री वाले अभ्यर्थी केवल भावी शिक्षक की श्रेणी में ही आवेदन कर सकते हैं।
Candidates having B.Ed./M.Ed or B.El.Ed/D.El.Ed or TET may apply for Prospective Teacher category only.
- पी.एच-डी कर रहे शोधार्थी/नेट/सेट/स्लेट पास अभ्यर्थी केवल शोधार्थी की श्रेणी में ही आवेदन कर सकते हैं।
Ph.D Pursuing Scholars or NET/SET/SLET candidates may apply for Research Scholar category only.
- बी.ए/एम.ए/डिप्लोमा या कोई भी अन्य स्नातक उपाधि धारक और पी.एच-डी प्राप्त कर चुके अभ्यर्थी केवल जन सामान्य की श्रेणी में ही आवेदन कर सकते हैं।
Candidates having B.A/M.A./Diploma/any other Graduate & Ph.D. completed may apply for General Public category only.
- अभ्यर्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक का चयन करें आवेदन श्रेणी (बाक्स में '✓' लगाएँ)
It is mandatory for the candidates to choose one of the categories given below:-
Category of Application (Put Tick mark '✓' in the box):

सेवारत शिक्षक

☐

In-Service Teacher

1. प्राथमिक विद्यालय

☐

Primary School

2. उच्च प्राथमिक विद्यालय

☐

Higher Primary School

3. माध्यमिक विद्यालय

☐

High School

भावी शिक्षक

☐

Prospective Teacher

शोधार्थी

☐

Research Scholar

जन सामान्य

☐

General Public

- सभी अभ्यर्थियों को पृष्ठ सं. 8 में दिए गए घोषणा-पत्र को विधिवत हस्ताक्षरित करना होगा
The declaration certificate on page No.7 should be duly-signed by the applicants.
- अपूर्ण आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।
Incomplete applications will not be considered.

पासपोर्ट आकार का
फोटो चिपकाएँ
Passport size
photograph to
be pasted

Name of the
applicant:

1. (a) नाम (अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में) Name (in BLOCK Letters)				
(b) पिता का नाम (अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में) Father's Name (in BLOCK Letters)				
(c) जन्मतिथि और आयु (1 अगस्त 2022 को आवेदक की आयु 50 वर्ष से कम हो) Date of Birth and Age (applicants should be below 50 years as on 1 st August 2022)	दिनांक Date	माह Month	वर्ष Year	आयु Age
(d) घर का स्थाई पता (अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में) Permanent Home Address (in BLOCK Letters)	मकान नं और गली House No. & St.			
	ग्राम और पोस्ट Village & PO			
	पोलिस स्टेशन Police St.			
	तालुक Taluk			
	जिला District			
	राज्य State			
	पिन कोड Pin code			
	मोबाइल नं. Mobile No.			
(e) लिंग (बाक्स में '√' लगाएँ) Sex (Put Tick mark '√' in the box)	पुरुष Male <input type="checkbox"/> महिला Female <input type="checkbox"/>			
(f) आप किस श्रेणी से संबंधित हैं (बाक्स में '√' लगाएँ) Category to which you belong: (Put Tick mark '√' in the box)	अ.जा. SC <input type="checkbox"/> अ.पि.व. OBC <input type="checkbox"/> अ.ज.जा ST <input type="checkbox"/> सामान्य Unreserved <input type="checkbox"/> (अनिवार्य रूप से श्रेणी का उल्लेख करें) (mention the category mandatorily) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग Economically Weaker Section (EWS) <input type="checkbox"/>			
(g) दिव्यांग हैं? यदि हाँ, कृपया स्पष्ट विवरण दें (प्रमाण-पत्र संलग्न करें) Whether differently-abled? If Yes, please specify (enclose certificate) (केवल सेवारत शिक्षकों द्वारा भरा जाए) (to be filled in by In-service Teachers only)				
(h) विद्यालय का नाम एवं पूरा पता जहाँ आप अध्यापन करते हैं (डाकघर का नाम, जिला, और राज्य/केंद्रशासित राज्य और पिन कोड सहित). विद्यालय का दूरभाष संख्या/विभाग पिन कोड सहित। Name & full Address of the School where you are teaching (with name of P.O., Dist. and State/UT and PIN code). Phone Number of School/ Department with pin code.	विद्यालय का नाम: School's Name: पूरा पता: Full Address:			

<p>(केवल सेवारत शिक्षकों द्वारा भरा जाए) (to be filled- in by in-service teachers only)</p> <p>(i) विद्यालय की स्थिति(बाक्स में '✓' लगाएँ) Status of the School (Put Tick mark '✓' in the box)</p>	<p>सरकारी Govt. <input type="checkbox"/></p> <p>सरकारी-सहायता प्राप्त Govt.-Aided <input type="checkbox"/></p>
<p>(केवल सेवारत शिक्षकों द्वारा भरा जाए) (to be filled in by In-service Teachers only)</p> <p>(j) बी.इ.ओ/डी.इ.ओ/बी.डी.ओ/सी.इ.ओ/इ.ओ/डी.पी. आई/डी.डी.पी.आई/जेड.इ.ओ/बी.एस.ओ/विद्यालय निरीक्षक/ या भारमुक्त प्राधिकारी का नाम और पूरा पता पिन कोड सहित/इ-मेल आईडी जिनसे बाद में पत्राचार किया जा सके। Name & full address of BEO/DEO/ BDO/CEO/EO/DPI/DDPI/ZEO/BSA/ Inspector of schools/ or the relieving Authority with PIN code/e-mail ID to whom further correspondence should be sent.</p>	

2 (a) शैक्षणिक योग्यता

Academic qualifications–

परीक्षा उत्तीर्ण Examination Passed	वर्ष Year	बोर्ड / विश्वविद्यालय Board / University	विषय Subjects	अंक%/ग्रेड % of marks / Grade obtained
एस.एस.एल.सी/एच.एस.सी S.S.L.C./H.S.C.				
पी.यू.सी/इंटरमीडिएट/+2 P.U.C./Intermediate/+ 2				
बी.ए या समकक्ष उपाधि B.A. or Equivalent Degree				
एम.ए या समकक्ष M.A. or Equivalent				
बी.एड. B.Ed.				
एम.एड. M.Ed.				
पी.एच-डी Ph.D.				
अन्य – अगर कोई हो Others – if any,				

(b)भाषा में डिप्लोमा, यदि किया हो (कृपया विवरण दें)
Diploma in language, if any (please specify)

(c) नेट/सेट/स्लेट/टेट में यदि योग्यता हो (कृपया विवरण दें)
NET/SET/SLET/TET qualification if any (specify)

3. अध्यापन का अनुभव - (केवल सेवारत शिक्षकों द्वारा भरा जाए)
Teaching experience – (to be filled-in by *in-service teachers only*)

विद्यालय का नाम और पूरा पता Name & Full address of the School	स्थिति (सरकारी/ सरकारी-सहायता प्राप्त) Status (Govt./ Govt. Aided)	अध्यापन का अनुभव (वर्षों में) से-तक Teaching experience (in years) From - To	कक्षा और पढ़ाए गए विषय Class & Subject taught	प्रति सप्ताह पढ़ाए गए क्लासों की संख्या No. of classes per week

4. आपकी भाषिक पृष्ठभूमि का विवरण
Details of your language background-

(a) मातृभाषा Mother Tongue				
(b) विद्यालय/ कॉलेज में अध्ययन की गई भाषाएँ Languages studied in School/College				
(c) अन्य भाषाओं की जानकारी, यदि कोई हो (सही खानों में '✓' का निशान लगाएँ) Other languages known, if any. (put tick mark '✓' in relevant column)	भाषा(एँ) Language(s)	बोलना Speak	पढ़ना Read	लिखना Write

5. जिस भाषा का आप अध्ययन करना चाहते हैं (अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत के अतिरिक्त विवरणिका के पृष्ठ संख्या-2 में दी गई किन्हीं तीन आधुनिक भारतीय भाषाओं का उल्लेख करें) Language you want to learn (Mention any 3 Modern Indian Languages specified in the page No. 2 of the Prospectus compulsorily other than English, Hindi and Sanskrit).	वरीयता क्रम Order of Preference	भाषा Language	क्षेत्रीय भाषा केंद्र का नाम एवं स्थान यदि उर्दू का चयन किया है Name and place of the Regional Language Centre if opted for URDU
	प्रथम वरीयता 1 st Preference		
	द्वितीय वरीयता 2 nd Preference		
	तृतीय वरीयता 3 rd Preference		

6. कार्यालयी प्रयोग हेतु अन्य जानकारी(सही खानों में '√'का निशानलगाएँ) Other information (put tick mark '√' in the appropriate box)				
क्या आपने कभी भा.भा.सं. के क्षेत्रीय भाषा केंद्र (आर.एल.सी) के किसी कार्यक्रम के लिए आवेदन किया था? Did you ever apply for any Course in Regional Language Centre (RLC) of CIIL?	हाँ Yes	नहीं No		
7. क्या आप इस प्रशिक्षण के दौरान वातावरणीय एवं भोजन संबंधी बदलाव लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं(किसी चिकित्साधिकारी से स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र, यदि आवेदन-पत्र के साथ जमा नहीं किया है पाठ्यक्रम में प्रवेश के प्रवेश के समय जमा करना होगा) Whether you are physically fit to undergo language training and sustain changes in food and climate conditions? (Attach a certificate from Medical Officer, if not attached at the time of submitting application, this should be provided at the time of joining)	हाँ Yes	नहीं No		
8. डिमांड ड्राफ्ट का विवरण (डिमांड ड्राफ्ट 'MHRD HIGHER CAS CLG' के पक्ष में तथा नई दिल्ली में देय हो) सभी अभ्यर्थियों के लिए शुल्क अनिवार्य है। Details of Demand Draft (DD should be drawn in favour of 'MHRD HIGHER CAS CLG' payable at New Delhi) Fee is compulsory for all the applicants.	डी.डी. संख्या DD Number	जारी होने की तारीख Date of issue	बैंक तथा उसकी शाखा का नाम Name and branch of the Bank	राशि Amount
				₹. 150/- Rs.150/-

9. निम्नलिखित का विवरण दें (केवल सेवारत शिक्षकों द्वारा भरा जाए) (संबंधित दस्तावेज संलग्न करें)
Details of the following: (to be filled-in only by In-service Teachers) (enclose supporting documents)

वेतनमान Scale of Pay	:	_____
मूल वेतन Basic Pay	:	_____
महंगाई भत्ता Dearness Pay	:	_____
दै.भ. D.A	:	_____
म.कि.भ H.R.A	:	_____
न.प्र.भ C.C.A	:	_____
यात्रा भत्ता Transport Allowance	:	_____
कोई अन्य भत्ता Any other allowance	:	_____
कुल Total	:	_____
औसत आय कर Average Income Tax	:	_____
पैन कार्ड सं., यदि हो PAN Card No, if any :		_____
कटौती Deductions	:	_____

आवेदक द्वारा प्रमाण-पत्र
CERTIFICATE BY THE APPLICANT

1. मैं प्रमाणित करता/ती हूँ कि उपरोक्त दिए गए विवरण मेरे संज्ञान में सत्य हैं। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि मैं केंद्र के नियमों एवं विनियमों का पालन करूँगा/गी। आगे मैं यह भी प्रमाणित करता/ती हूँ कि

I certify that the information given above is true to the best of my knowledge. I also certify that I will abide by the Rules and Regulations of the Centre. I further certify

- i. कि मैंने भा.भा.सं के किसी भी आर.एल.सी से मैंने किसी भी भाषा में प्रशिक्षण नहीं लिया है और जिस भाषा को सीखना चाहता हूँ उसका पहले से कोई पूर्व ज्ञान नहीं है,

that I have not undergone any language training in any RLC of CIIL and have no prior knowledge of the language I intend to learn,

- ii. मैंने प्रशिक्षण विवरणिका को पढ़ा है और इस आवेदन-पत्र में किसी भी गलत जानकारी पर कानूनी कार्यवाही का उत्तरदायी मैं स्वयं रहूँगा/गी।

that I have read the prospectus for this training and am liable for legal action for providing any false information in this application.

2. मैं यह वचन देता/ती हूँ कि मैं क्षेत्रीय भाषा केंद्र के नियमों एवं विनियमों का पालन करूँगा/गी और केंद्र में किसी भी गैर कानूनी गतिविधि में संलग्न नहीं रहूँगा/गी।

I undertake that I will abide by the Rules and Regulations of the Regional Language Centre and would not indulge in any unlawful activity at the Centre.

स्थान.....

Place:

आवेदक का हस्ताक्षर

Signature of the applicant

Date:

नाम

दिनांक

Name:.....

केवल सेवारत शिक्षकों हेतु

श्री/सुश्री/श्रीमती.....का आवेदन-पत्र बी.इ.ओ/डी.इ.ओ/बी.डी.ओ/सी.इ.ओ/इ.ओ/डी.पी.आई/डी.डी.पी.आई/जेड.इ.ओ/बी.एस.ए/विद्यालय निरीक्षक/शिक्षा निदेशक द्वारा मिसिल सं.....दिनांक.....को अंग्रेषित किया गया।

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदक द्वारा दी गई जानकारी सत्य है। आगे यह भी प्रमाणित किया जाता है कि शिक्षक ने भा.भा.सं के किसी भी केंद्र से प्रशिक्षण नहीं लिया है और प्रशिक्षण के उपरांत उसे उसके संस्थान में भाषा सिखाने हेतु आवश्यक सुविधा प्रदान की जाएगी।

प्रधानाचार्य का हस्ताक्षर /बी.इ.ओ /डी.इ.ओ /बी.डी.ओ /सी.इ.ओ /इ.ओ /डी.पी.आई /डी.डी.पी.आई /जेड.इ.ओ /बी.एस.ए / विद्यालय निरीक्षक/शिक्षा निदेशक का हस्ताक्षर एवं मुहर

स्थान:

दिनांक:

FOR IN-SERVICE TEACHERS ONLY

The application of Mr./Ms. _____

Forwarded by BEO/DEO/BDO/CEO/EO/DPI/DDPI/ZEO/BSA/Inspector of schools/ Director of Education vide File No. _____ dated _____

It is certified that the information given by the applicant is correct. It is further certified that the teacher has not undergone language training earlier in any Centre in CIIL and he/she will be provided necessary facility to teach the language in the Institution after his/her training.

Signature of the Head Master/Signature of BEO/ DEO/ BDO/CEO/EO/DPI/ ZEO/BSA/ Inspector of Schools/DDPI/Director of Education with seal.

Place:

Date:

केवल शोधार्थियों हेतु

आवेदक का नाम: श्री/श्रीमती/सुश्री.....

वृहद मिसिल सं..... दिनांक..... शोध-निर्देशक (शिका)/मार्गदर्शक द्वारा अंग्रेषित।

प्रमाणित किया जाता है कि वर्तमान में ये पी.एच-डी में के तहत नामांकित हैं जिस का रोल नं. है। इन्होंने सफलता पूर्वक पी.एच-डी कोर्सवर्क पूर्ण कर लिया है। इनके भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश लेने पर इस संस्थान / विभाग को कोई आपत्ति नहीं है।

शोध-निर्देशक (शिका) का हस्ताक्षर एवं मुहर

स्थान:

दिनांक:

FOR PH.D PURSUING SCHOLARS ONLY

Name of the Applicant: Mr./Ms. _____

Forwarded by PhD. Guide/Advisor vide File No. _____ dated _____

It is to certify that he/she is presently enrolled for Ph.D. in _____ under

Roll No. _____. He/She has completed the Ph.D. coursework successfully.

This institute/department has no objection, if he/she takes admission for the language training course.

Signature of the Guide with seal

Place:

Date:

आवेदन-पत्र के साथ संलग्न होने वाले प्रमाण-पत्रों की सूची
List of documents to be enclosed with the application:

1. दो पासपोर्ट साइज के फोटो (एक को आवेदन फार्म पर चिपकाएँ, दूसरे को लिफाफे में रखें जिस पर आपका नाम लिखा हो)
Two passport size photographs (one to be pasted in the application, other in a cover with name)
2. शिक्षक के रूप में नियुक्ति-आदेश की स्वप्रमाणित कॉपी(सरकारी/सरकारी-सहायता प्राप्त सेवारत शिक्षकों के लिए अनिवार्य)
Self-Attested Copy of the Appointment Order as teacher (mandatory for Govt./Govt. Aided in-service Teachers)
3. अकादमिक/व्यावसायिक/आयु प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रतियाँ
Self-Attested copies for the Certificates of Academic/Professional Qualifications/ Proof of Age
4. जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रतियाँ, यदि लागू हो
Self-Attested copy of Caste/Tribe certificate, if applicable
5. किसी चिकित्साधिकारी से स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र (यदि आवेदन-पत्र के साथ जमा नहीं किया है पाठ्य क्रम में प्रवेशके पूर्व हीजमा करना होगा)
Physical fitness certificate from a Medical Officer (if not submitted at the time of application, it must be obtained before joining the course).
6. पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड/निर्वाचन कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट की स्वप्रमाणित प्रतियाँ
Self-Attested copy of Photo Identity Card, viz., Aadhar Card/ Voter Identity Card/ Driving License/Passport.
7. भावी शिक्षक को अपने बी.एड, एम.एड, बी.एल.एड, डी.एल.एड और नेट/सेट/स्लेट/टेट उत्तीर्ण होने की स्वप्रमाणित प्रतियाँ संलग्न करनी होगी।
Prospective Teachers must submit a self attested certificate of having completed B.Ed., M.Ed., B.El.Ed., D.El.Ed. and TET.
8. शोधार्थी जिस विश्वविद्यालय/संस्थान में पंजीकृत हैं, उन्हें वहाँ का पी.एच-डी कोर्सवर्क, पी.एच-डी पंजीकरण और अनापत्ति प्रमाण-पत्र या नेट/ सेट/ स्लेट उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा।
Research Scholars must attach course-work completion certificate, Ph.D. Registration Certificate and NOC from the University/Institute where they are registered or NET/SET/SLET completed certificate.
9. जनसामान्य अभ्यर्थियों को अपने डिग्री/डिप्लोमा के साथ अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियाँ संलग्न करनी होंगी। पी.एच-डी डिग्री प्राप्त कर चुके अभ्यर्थी को प्रमाण-पत्र की प्रति भी संलग्न करना होगा।
General Public candidates must attach self attested copy of the Degree/Diploma along with other necessary documents. Ph.D. awarded certificate should also be attached if the candidate possess Ph.D.
10. आवेदन-पत्र के साथ रुपये 150/- का डिमांड ड्राफ्ट जो 'MHRD HIGHER CAS CLG' जो New Delhi में देय हो को उसकी वैधता समाप्ति से पूर्व भेजना होगा।
Demand Draft drawn in favour of 'MHRD HIGHER CAS CLG' payable at New Delhi for Rs. 150/- should be enclosed alongwith the Application and the DD should be sent before the expiry of the validity period.

भा.भा.सं कार्यालय प्रयोग हेतु
FOR CIIL OFFICE USE

-----भाषा में प्रवेश हेतु चयनित।
Selected for admission in _____ Language.

- (i) मूल वेतन और भत्ते [शिक्षक के वेतन प्रमाण-पत्र में देय वेतनमान के अनुरूप] और प्रति माह रु.800/- वृत्ति सहित।
With basic salary & allowances [as per scale in salary certificate of the teacher] plus the stipend of Rs.800/- per month.

प्राधिकारी के हस्ताक्षर
Signature of the Authority



भारतीय भाषा संस्थान
(शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार)
मानसगंगोत्री, हुणसूर रोड, मैसूरु - 570 006

CENTRAL INSTITUTE OF INDIAN LANGUAGES

(Ministry of Education, Department of Higher Education, Govt. of India)
Manasagangotri, Hunsur Road, Mysuru - 570 006



क्षेत्रीय भाषा केंद्रों पर 10 - माह का भाषा शिक्षा में डिप्लोमा
सूचीपत्र और आवेदन प्रपत्र
2022 - 23

10 - Month Diploma in Language Education
Prospectus & Application Form
2022 - 23



भारतीय भाषा संस्थान लक्ष्य और उद्देश्य

- भाषा संबंधी मामलों में केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह देना और उनकी सहायता करना।
- भाषा के उपयोग के शैक्षणिक सामग्री और कॉर्पोरा बनाकर सभी भारतीय भाषाओं के विकास में योगदान करना।
- भारत की अल्प ज्ञात, अल्पसंख्यक और आदिवासी भाषाओं का दस्तावेजीकरण करने और उन्हें खतरे से बचाने के लिए।
- २० भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम को प्रोत्साहित करके राष्ट्रीय अखंडता, बहुभाषावाद और भाषाई सद्भाव को बढ़ावा देना।
- विभिन्न सरकारी संस्थानों के लिए भाषा संबंधी परामर्श का विस्तार करना और भारतीय भाषाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर पैदा करना।

CENTRAL INSTITUTE OF INDIAN LANGUAGES AIMS AND OBJECTIVES

- To advise and assist the Central and State Governments in language-related matters.
- To contribute to the development of all Indian languages by creating pedagogical content and corpora of language use.
- To document Minor, Minority and Tribal languages of India and protect them against endangerment.
- To promote national integrity, multilingualism and linguistic harmony by encouraging teaching - learning in 20 Indian languages.
- To extend language related consultancies to various government institutions and create employment opportunities through Indian languages.

**भारतीय भाषा संस्थान के क्षेत्रीय भाषा केंद्रों में भाषा अध्यापन कार्यक्रम
एक अनोखी पहल**

भारतीय भाषा संस्थान (भा.भा.सं/सी.आई.आई.एल) की स्थापना भारत सरकार द्वारा 1969 में की गई थी। मैसूर में स्थित भा.भा.सं, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग के अधीनस्थ कार्यालय के रूप में कार्य करता है। अपनी स्थापना के लगभग पाँच दशकों में भा.भा.सं सभी भारतीय भाषाओं के विकास के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभरा है। भारतीय भाषाओं पर व्यापक शोध को आगे बढ़ाने, प्रोत्साहन देने और उससे संबंधित प्रकाशन के लिए न ही सिर्फ भारत में बल्कि भारत के बाहर भी विशेष स्थान रखता है। संस्थान अपने क्षेत्रीय भाषा केंद्रों के माध्यम से त्रिभाषा सूत्र के कार्यान्वयन के लक्ष्य के साथ एक अभिनव कार्यक्रम भी प्रदान करता है और इस तरह राष्ट्रीय अखंडता और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता है। यह 10 माह का भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य रूप से सेवारत शिक्षकों, भावी शिक्षकों और भारतीय भाषाओं में अपना करियर बनाने के इच्छुक जन सामान्य के लिए है। इस कार्यक्रम में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों के अनुसार यह कार्यक्रम सकारात्मक बदलाव लाने और अच्छा प्रतिफल देने की क्षमता रखता है।

शिक्षा मानव और सभ्यता के विकास के आधार के रूप में कार्य करती है और भाषा शिक्षा प्रदान करने के महत्वपूर्ण साधनों में से एक है। मानसिक विकास और ज्ञानार्जन में भाषा शिक्षा की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। द्वितीय या तृतीय भाषा का अधिगम हमारे मानसिक क्षितिज और हमारी संज्ञानात्मक क्षमताओं को विकसित करता है और अन्य संस्कृतियों के मध्य भाषाई समझ विकसित करने में सहायक होता है। यह बहुभाषिकता को प्रोत्साहित करता है, भाषाओं और संस्कृतियों के विकास में योगदान देता है। भारतीय भाषा संस्थान द्वितीय भाषा सीखने का अनूठा अवसर प्रदान करता है। द्वितीय भाषा सीखकर कोई व्यक्ति राष्ट्रीय एकीकरण में सकारात्मक योगदान देते हुए अंतः सांस्कृतिक समझ और सहयोग को बढ़ावा दे सकता है। संस्थान का 10-माह का भाषा शिक्षा में डिप्लोमा आर्थिक लाभ प्रदान करता है और व्यक्तित्व का विकास करता है और करियर में भी विकास के अच्छे अवसर प्रदान कर सकता है। क्या आप इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के इच्छुक हैं? यथाशीघ्र आवेदन करें तथा स्वयं और अपने छात्रों की आनेवाली पीढ़ियों के जीवन में तथा भाषाओं और संस्कृतियों के विकास में योगदान करें।

निदेशक की कलम से

17 जुलाई 1969 को भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार हेतु भारतीय भाषा संस्थान (भा.भा.सं) की स्थापना की। अपनी स्थापना के दिन से यह संस्थान हर तरह से इस दायित्व का निर्वहन करता आ रहा है। इसी उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए भा.भा.सं ने कर्नाटक, ओडिशा, पंजाब, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और असम में क्षेत्रीय भाषा केंद्रों की स्थापना की और 10 माह का एक अनूठा भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया। संस्थान की इस पहल को बड़ी सराहना मिली क्योंकि यह त्रिभाषा सूत्र के क्रियान्वयन और राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान देने पर केंद्रित है। भारत की भाषा विविधता और अपने नागरिकों के बीच द्वि/बहुभाषिकता के संरक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ऐसे शिक्षकों की निरंतर आवश्यकता रही है जो क्षेत्रीय भाषाओं को सिखाने के साथ उनमें शैक्षणिक सामग्री भी तैयार कर सकें। द्वितीय भाषा अधिगम के सकारात्मक प्रभाव, बहु ज्ञात हैं और इन्हें सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में भी स्वीकार किया गया है। मैं, इस 10 महीने के भाषा पाठ्यक्रम के लिए शिक्षकों, भावी शिक्षकों, शोधार्थियों, विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को आवेदन करने और इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

शैलेंद्र मोहन
निदेशक, भा.भा.सं

क्षेत्रीय भाषा केंद्रों में भाषा शिक्षा में 10 माह का डिप्लोमा

1. भाषा शिक्षण – अधिगम हेतु आधुनिक सुविधायुक्त क्षेत्रीय भाषा केंद्र:

भारतीय भाषा संस्थान ने विद्यालय के शिक्षकों को द्वितीय भाषा में प्रशिक्षित करने के लिए तथा त्रिभाषा सूत्र और राष्ट्रीय एकीकरण के कार्यान्वयन में योगदान हेतु सात क्षेत्रीय भाषा केंद्रों की स्थापना – मैसूर, भुवनेश्वर, पटियाला, पुणे, सोलन, लखनऊ और गुवाहाटी में की है (तालिका 1 देखें)। जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पैरा 4.13, में कहा गया है कि त्रिभाषा सूत्र में अधिक लचीलापन होगा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को संविधान की आठवीं अनुसूची में अधिसूचित भाषाओं हेतु बड़ी संख्या में भाषा शिक्षकों की नियुक्ति करने की आवश्यकता है। पाँच दशकों के भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अपने अनुभव के साथ, क्षे.भा.कें. सरकारी और सहायता प्राप्त सरकारी स्कूलों में बड़ी संख्या में भाषा शिक्षकों को प्रशिक्षण देने में भारत सरकार की मदद करेंगे और इस तरह त्रिभाषा सूत्र को प्रभावी ढंग से लागू करते रहेंगे।

लगभग पिछले 5 दशकों से ये क्षेत्रीय केंद्र प्रति वर्ष जुलाई से अप्रैल तक द्वितीय भाषा में 10 माह का भाषा शिक्षा में डिप्लोमा प्रदान करते रहे हैं। इस प्रशिक्षण में 1085 घंटों का भाषा अध्यापन और अध्ययन शामिल है। इस आवासीय कार्यक्रम की कुल प्रवेश क्षमता 506 है।

यह गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वितीय भाषा में पूरी प्रवीणता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समाप्त होने पर प्रशिक्षणार्थियों (सेवारत शिक्षकों) से सीखी गई भाषा को तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाना अपेक्षित है और इस तरह वे संबंधित राज्यों में त्रिभाषा सूत्र के क्रियान्वयन में योगदान देते हैं।

क्षेत्रीय भाषा केंद्र (आर.एल.सी) कर्नाटक, ओडिशा, पंजाब, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, और असम सहित सात राज्यों में स्थित हैं। इन केंद्रों के शैक्षणिक कर्मचारी भाषा अध्ययन और अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान में प्रशिक्षित होते हैं। उन्हें द्वितीय भाषा के अध्यापन-अध्ययन सहित पाठ्यक्रम नियोजन, पाठ्यपुस्तकों के निर्माण एवं मूल्यांकन, अनुवाद और भाषा परीक्षण का अनुभव होता है। वे न केवल शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं बल्कि भाषा, संस्कृति, द्विभाषिकता, अनुवाद और भाषा शिक्षा से संबंधित अन्य क्षेत्रों के अध्ययन में नए मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। क्षेत्रीय भाषा केंद्रों में आधुनिक भाषा अध्यापन के लिए पर्याप्त सुविधाएँ हैं। एन.ई.आर.एल.सी, गुवाहाटी को छोड़कर सभी केंद्रों की भाषा प्रयोगशाला में 20-25 टर्मिनल्स और पुस्तकालय में 15,000 से अधिक पुस्तकें, पत्रिकाएँ और समाचार पत्र हैं। पुस्तकालयों में केंद्रों में पढ़ाए जाने वाली भाषाओं में साहित्य और सामाजिक विज्ञान पर विभिन्न प्रकार की पुस्तकों के अलावा शब्दकोश, अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में व्याकरण, अनुवाद और विभिन्न विषयों की संदर्भ पुस्तकें, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान की सामान्य पुस्तकें उपलब्ध हैं। यहाँ प्रशिक्षणार्थी अध्ययन वाली भाषा में पढ़ने के कौशल को विकसित कर सकते हैं और भाषा, साहित्य, आलोचना, सामाजिक और भाषा शिक्षण से संबंधित अन्य विषयों में अपनी रुचि अनुसार पढ़ सकते हैं।

तालिका 1: क्षेत्रीय भाषा केंद्र

क्र.सं	केंद्र	पढाई जानेवाली भाषाएँ	स्थान	
1.	दक्षिण क्षेत्रीय भाषा केंद्र मानसगंगोत्री, मैसूरु - 570 006 कर्नाटक दूरभाष: 0821-2345045/54/55/2512128 फैक्स: 0821-2416699	कन्नड़, मलयालम, तमिल और तेलुगु	कन्नड़ मलयालम तमिल तेलुगु	22 22 22 22
2.	पूर्व क्षेत्रीय भाषा केंद्र लक्ष्मीसागर, भुवनेश्वर - 751 006 उड़ीसा दूरभाष: 0674-2974610 फैक्स: 0674-2572918	बंगाली, मैथिली, उड़िया और संताली	बंगाली मैथिली उड़िया संताली	22 22 22 22
3.	उत्तर क्षेत्रीय भाषा केंद्र पंजाबी विश्वविद्यालय परिसर पटियाला - 147 002 पंजाब दूरभाष: 0175-2286730 फैक्स: 0175-2922927	डोगरी, कश्मीरी, पंजाबी और उर्दू	डोगरी कश्मीरी पंजाबी उर्दू	22 22 22 22
4.	पश्चिम क्षेत्रीय भाषा केंद्र डेक्कन कॉलेज परिसर, पुणे - ४११ ००६ महाराष्ट्र दूरभाष: 020-26699041 फैक्स: 020-26614710	गुजराती, कोंकणी, मराठी और सिंधी	गुजराती कोंकणी मराठी सिंधी	22 22 22 22
5.	उर्दू शिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र सप्रून, सोलन - 173 211 हिमाचल प्रदेश दूरभाष: 01792-223424 फैक्स: 01792-225424	उर्दू	उर्दू	33
6.	उर्दू शिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र टीसी / 42-वी, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ -226010 उत्तर प्रदेश दूरभाष: 0522-2304917 फैक्स: 0522-2304918	उर्दू	उर्दू	33
7.	पुर्वोत्तर क्षेत्रीय भाषा केंद्र 3931, बेलटोला कॉलेज रोड, माजीपारा, बोंगाँव, गुवाहाटी - 781 028 असम दूरभाष: 0361-2303867 फैक्स: 0361-2303152	असमिया, बोडो, मणिपुरी और नेपाली	असमिया बोडो मणिपुरी नेपाली	22 22 22 22
		कुल		506

2. पात्रता :

सामान्य:

- आवेदकों ने जिस भाषा के लिए आवेदन किया है उसमें कोई औपचारिक डिग्री, मूल/ मूल निवासी प्रवीणता या अनौपचारिक ज्ञान नहीं होना चाहिए।
- आवेदकों ने किसी भी क्षेत्रीय भाषा केंद्र से भाषा में प्रशिक्षण न लिया हो या कार्यक्रम को बीच में न छोड़ा हो या वहाँ से बर्खास्त न किया गया हो।
- आवेदक तालिका 1 में दी गई सूची से किसी एक भाषा का चयन कर सकते हैं।
- आवेदकों को भाषा और केंद्र का चयन सावधानीपूर्वक करना होगा क्योंकि पाठ्यक्रम में शामिल होने के पश्चात भाषा और केंद्र परिवर्तन की अनुमति नहीं है।
- आवेदन में चयन की गई भाषा स्पष्ट रूप से उल्लिखित होनी चाहिए अन्यथा उपलब्ध रिक्त सीटें क्षेत्रीय भाषा केंद्रों में आबंटित की जाएँगी।
- उर्दू भाषा के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों को यू.टी.आर.सी, सोलन / यू.टी.आर.सी, लखनऊ/ एन.आर.एल.सी, पटियाला में से स्पष्ट रूप से क्षेत्रीय भाषा केंद्र का नाम निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा तीनों क्षेत्रीय भाषा केंद्रों में उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार सीटें आबंटित की जाएँगी।
- यदि कोई आवेदक किसी विशेष वर्ष में चयनित हुआ है और वह इस कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होता है तो अगले 3 वर्षों तक उसकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा।
- 1 अगस्त 2022 को आवेदक की आयु 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। सक्षम पदाधिकारी के द्वारा सेवारत शिक्षकों को ही आयु में छूट दी जाएगी।
- यह ध्यान रहे कि 10 माह के भाषा शिक्षा डिप्लोमा में अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत भाषा नहीं पढ़ाई जाती है।

विशिष्ट:

10 माह का भाषा शिक्षा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम मुख्यतः सेवारत शिक्षकों के लिए है। आवेदकों का नियमित संकाय सदस्य होना अपेक्षित है। संबंधित विद्यालय के पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त शिक्षकों की सेवा पुस्तिका क्षेत्रीय भाषा केंद्रों पर भेजनी होंगी।

हालाँकि सीटों की उपलब्धता के आधार पर आवेदकों में से भावी शिक्षकों या जन सामान्य को भी प्रवेश दिया जाएगा।

शोधार्थी

उन शोधार्थियों को बरीयता दी जाएगी जिनका भाषा या उससे संबंधित विषय से पी.एच.डी में पंजीकरण हो चुका है और जिन्हें लगता है कि भाषा के ज्ञान या भाषा अध्ययन से उनके शोध कार्य में सहायता मिलेगी तथा जो आगे चलकर भाषा या भाषा विकास संबंधित क्षेत्र से जुड़े रहने में रुचि रखते हैं। इस श्रेणी में आने वाले अभ्यर्थी अपने विभाग के माध्यम से अपना आवेदन भेजें।

सभी श्रेणियों की आवश्यक अर्हता नीचे दी गई है:

क) सेवारत शिक्षक

- स्नातक या समकक्ष डिग्री के साथ सरकारी/ सहायता प्राप्त सरकारी प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालय में न्यूनतम तीन साल का अध्यापन अनुभव।
- वे आवेदक जिनके पास किसी भी अनुसूचित भारतीय भाषा में एम.ए के समकक्ष योग्यता हो उन्हें डी.इ.ओ से “योग्यता समकक्ष प्रमाण-पत्र” प्रस्तुत करना होगा।

ख) भावी शिक्षक

शिक्षा में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री (बी.एड/एम.एड) या बी.एल.एड या डी. एल.एड या टेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी

ग) शोधार्थियों हेतु

शोध छात्र या

नेट/सेट/स्लेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी

घ) जन सामान्य हेतु

- i. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री
- ii. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिप्लोमा या
- iii. किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पी.एच.डी डिग्री प्राप्त की हो

3. पूर्ण लाभ सहित प्रवेश कैसे सुनिश्चित करें:

- i. आवेदक संस्थान की वेबसाइट: www.ciil.org/ltp.aspx से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन की हार्ड कॉपी डाउनलोड कर और रु.150/- (एक सौ पचास रुपये मात्र) का डिमांड ड्राफ्ट जो "MHRD HIGHER CAS CLG" के पक्ष में नई दिल्ली में देय हो संलग्न करें। आवेदन नियत तारीख से पहले संस्थान पहुँचना चाहिए।
- ii. सेवारत शिक्षकों को अपना आवेदन विद्यालय के प्रधानाचार्य और बी.ई.ओ/ डी.ई.ओ/ बी.डी.ओ/ सी.ई.ओ/ ई.ओ/ डी.पी.आई/ डी.डी.पी.आई/ जेड.ई.ओ/बी.एस.ए/स्कूल निरीक्षक के माध्यम से विधिवत प्रमाणित और अग्रेषित करना होगा।
- iii. सरकारी/ सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षक अपने मूल वेतन, वेतनमान, दै.भ., ए.डी.ए, म.कि.भ, न.प्र.भ, वेतन वृद्धि की तारीख आदि जैसे विवरणों सहित अंतिम वेतन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रशिक्षण के दौरान वेतन संशोधित होने की स्थिति में आवेदक को भत्ते के साथ संशोधित वेतन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। यदि प्रशिक्षण अवधि में प्रतिनियुक्ति भत्ता या किसी अन्य विशेष भत्ते का भुगतान करने की अनुमति है तो अंतिम वेतन प्रमाण-पत्र में इसका उल्लेख करना होगा।
- iv. केंद्र किसी भी अंशदायी योजना में नियोक्ता के योगदान का भुगतान नहीं करता है। आवेदकों को स्वयं इसकी व्यवस्था करनी होगी।
- v. भावी शिक्षकों / शोधार्थियों और जन सामान्य को अपने आवेदन को सहायक प्रमाण-पत्रों के साथ निदेशक, भा.भा.सं के कार्यालय में जमा करना होगा। इसके अतिरिक्त पी.एच.डी कर रहे शोधार्थियों का कोर्सवर्क पूर्ण होने के साथ "पी.एच.डी. पंजीकरण" की प्रति, अपने विश्वविद्यालय से "अनापत्ति प्रमाण पत्र" भी संलग्न करना होगा और साथ ही उनका आवेदन उनके शोध निर्देशक (शिका) /मार्गदर्शक द्वारा अग्रेषित किया जाना चाहिए। पी.एच.डी शोधार्थी को प्रवेश के समय क्षेत्रीय भाषा केंद्र को एक वचनबंध देना होगा कि वह नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहेगा, ऐसा न करने पर उसे पाठ्यक्रम निष्कासित कर दिया जाएगा।
- vi. एस.सी, एस.टी, ओ.बी.सी और इ.डब्ल्यू.एस श्रेणियों से संबंधित सीटों का आरक्षण संवैधानिक प्रावधान के अनुसार होता है। पात्र होने पर आवेदक इसका लाभ उठा सकते हैं।
- vii. सभी आवेदकों को चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी स्वास्थ्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें कहा गया हो कि संबंधित आवेदक प्रशिक्षण के दौरान वातावरणीय एवं भोजन संबंधी बदलाव के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ है। इसे आवेदन पत्र के साथ भेजा जा सकता है।

4. केंद्र तक की यात्रा:

- i. कार्यस्थल से भार मुक्त आदेश मिलने के पश्चात सेवारत शिक्षकों को रेल (II स्लीपर क्लास) और यदि उनका स्थान रेल मार्ग से नहीं जुड़ा है तो बस (नॉन डीलक्स/ए.सी बसों) द्वारा सबसे कम दूरी मार्ग से न्यूनतम समय की यात्रा क्षेत्रीय भाषा केंद्र तक लेना चाहिए। यदि कोई यात्रा पर न्यूनतम यात्रा मार्ग से अधिक खर्च करता है तो उसे अतिरिक्त अवधि के लिए वेतन/टी.ए/डी.ए नहीं मिलेगा।
- ii. चयनित अभ्यर्थियों को पाठ्यक्रम के निर्धारित दिन केंद्र पर पहुँचना अपेक्षित है। हालाँकि 10 दिनों तक देर से रिपोर्टिंग की अनुमति देने का प्रधानाचार्य को अधिकार है।

5. केंद्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम:

- i. इस भाषा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में क्रमशः 14, 12 और 12 सप्ताह के प्राथमिक, माध्यमिक और उन्नत पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्रत्येक कार्य दिवस पर 5.5 घंटे का अध्यापन होता है; नियमित अवधि के अंतराल में आवधिक परीक्षा और सत्र के अंत में आखिरी परीक्षा होती है। प्रशिक्षण से जुड़े सभी लाभ उठाने हेतु असाइनमेंट और परीक्षाओं में 60% उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
- ii. आमतौर पर केंद्र द्वारा तैयार और उपयोग की जाने वाली अनुदेशात्मक सामग्री प्रशिक्षणार्थियों को प्रदान की जाती है।
- iii. द्विसाप्ताहिक भाषा अध्ययन यात्रा अनिवार्य है। यह बोलने, सुनने और समझने के कौशल में सुधार लाने और लोगों के सामाजिक रीति-रिवाजों, मान्यताओं और संस्कृति के साथ सीधे संप्रेषण के लिए अच्छा प्राकृतिक भाषा वातावरण प्रदान करता है। यदि प्रशिक्षणार्थी अप्रत्याशित कारणों से दौरे में शामिल नहीं हो पाता है तो उसे प्रधानाचार्य और निदेशक से पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता होगी। इस अवधि को अवैतनिक अवकाश माना जाएगा और प्रशिक्षणार्थी को संबंधित भाषा संकाय द्वारा दिए गए विशेष असाइनमेंट को पूरा करना होगा।
क्षेत्रीय भाषा केंद्र द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को भाषा अध्ययन यात्रा के दौरान यात्रा भत्ता के अतिरिक्त किसी अन्य मद में अग्रिम धनराशि का भुगतान नहीं किया जाएगा।
- iv. प्राथमिक पाठ्यक्रम के समाप्त होने पर 15 दिनों की मध्यावधि छुट्टी दी जाती है। इस अवधि के आरंभ होने से पहले और समाप्ति के बाद किसी भी प्रकार की आकस्मिक छुट्टी या किसी अन्य छुट्टी को सम्मिलित नहीं किया जाएगा। अपरिहार्य कारणों से इस अवधि को कम या समाप्त किया जा सकता है।
- v. सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान 10 दिनों का आकस्मिक अवकाश प्रदान किया जाएगा। उपरोक्त के अलावा प्रशिक्षणार्थी को कोई अन्य अवकाश नहीं दिया जाएगा। हालाँकि, भारत सरकार के नियमों के अनुसार सेवारत शिक्षकों द्वारा किसी अन्य अवकाश का लाभ उठाया जाता है तो इस अवधि के लिए कोई वृत्ति नहीं दी जाएगी।
- vi. प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षणार्थियों को अध्ययन / लघु अवधि की परियोजनाएँ लेने की अनुमति नहीं है। वे भाषा प्रशिक्षण के दौरान कोई अन्य परीक्षा नहीं दे सकते।
- vii. प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के दौरान सभी कक्षाओं में उपस्थित होने और केंद्र के नियमों और विनियमों का पालन करना अपेक्षित है।
- viii. प्रशिक्षण अवधि के दौरान वे भारत सरकार के अनुशासन और आचरण नियमों से बाध्य होंगे।
- ix. सामान्य तौर पर प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम को बीच में छोड़ नहीं सकते हैं। हालाँकि, विशेष परिस्थिति में प्रशिक्षणार्थी सक्षम प्राधिकारी से निवेदन कर सकता है।
- x. बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने, अध्ययन में खराब प्रदर्शन या किसी अन्य दुर्व्यवहार पर निदेशक प्रशिक्षणार्थी को बर्खास्त कर सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों में प्रशिक्षणार्थी पर केंद्र द्वारा खर्च की गई संपूर्ण राशि उससे वसूल की जा सकती है।
- xi. प्रतिनियुक्ति की किसी भी शर्तों में छूट/सुधार/रद्द/संशोधन करने, प्रवेश का अधिकार, आवेदकों की संख्या, उपलब्ध सीटों की संख्या और अध्ययन की भाषा के आबंटन या अन्य किसी ऐसी विशेष परिस्थिति में छूट का अधिकार निदेशक के पास सुरक्षित है।
- xii. प्रशिक्षणार्थियों को यह भी वचनबंध देना होगा कि यदि वह प्रशिक्षण बीच में छोड़ता (ती) है तो उसे मिलने वाली प्रोत्साहन राशि और वृत्ति की भरपाई उससे वसूल की जा सकती है।
- xiii. प्रशिक्षणार्थियों के चयन संबंधी किसी भी अंतरिम पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा।
- xiv. प्रशिक्षणार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे असाइनमेंट और परीक्षाओं में न्यूनतम अंक प्राप्त करें। प्राथमिक पाठ्यक्रम/इंटरमीडिएट परीक्षाओं में असफल होने की स्थिति में उन्हें एक बार पुनः

परीक्षा देने का अवसर दिया जाएगा। यदि प्रशिक्षणार्थी फिर से फेल हो जाता/ती है तो उसे प्रशिक्षण से निष्कासित कर दिया जाएगा।

6. छात्रावास में प्रवास:

- उपलब्धता के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों को सामान्य सुविधायुक्त छात्रावास/आवासीय सुविधा प्रदान की जा सकती है।
- प्रशिक्षणार्थी केंद्र द्वारा उपलब्ध कराये गए छात्रावास में न्यूनतम मासिक किराए पर रह सकते हैं। प्रशिक्षणार्थियों के पारिवारिक सदस्यों को छात्रावास में रहने की अनुमति नहीं है।
- प्रशिक्षणार्थी को विशेष कारण से प्रधानाचार्य और निदेशक से अनुमोदन मिलने पर छात्रावास के बाहर रहने की अनुमति है।
- प्रधानाचार्य द्वारा निर्दिष्ट एक जमा राशि प्रशिक्षण की शुरुआत में देय है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान नुकसान एवं अन्य खर्चों की भरपाई करने के बाद जमा राशि वापस की जाएगी।
- क्षेत्रीय भाषा केंद्र का ठेकेदार हॉस्टल मेस चला सकता है या केंद्र के वार्डन के निर्देशन में प्रशिक्षणार्थियों के कुछ प्रतिनिधियों की मदद से भी चलाया जा सकता है। प्रशिक्षणार्थी मेस के शुल्क का भुगतान सीधे वार्डन को कर सकते हैं या कार्यालय मासिक वृत्ति के भुगतान के समय उसे काट सकता है।

7. प्रशिक्षण कार्यक्रम के लाभ:

टी.ए/डी.ए:

टी.ए/डी.ए का भुगतान केवल सेवारत शिक्षकों को उनकी पात्रता अनुसार आने-जाने का यात्रा व्यय दिया जाएगा।

परिलब्धियाँ:

सरकारी/ सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के चयनित सेवारत शिक्षकों को उनके संबंधित आहरण और संवितरण अधिकारियों विद्यालय निरीक्षक/डी.ई.ओ द्वारा भेजे गए अंतिम वेतन प्रमाण-पत्र के आधार पर उनके वेतन का भुगतान क्षेत्रीय भाषा केंद्रों के संबंधित प्रधानाचार्यों द्वारा किया जाएगा।

प्रोत्साहन राशि:

भावी शिक्षकों/शोधार्थियों को आर.एल.सी से भाषा सीखने के लिए 5000/- (पाँच हजार रुपये मात्र) प्रति माह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

वृत्ति:

सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान प्रतिमाह रु 800/- (आठ सौ रुपये मात्र) की वृत्ति दी जाएगी।

कृपया ध्यान दें कि जन सामान्य श्रेणी के प्रशिक्षणार्थी केवल वृत्ति पाने के हकदार हैं।

प्रशिक्षण उपरांत लाभ:

- केंद्र से प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा होने के पश्चात शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने विद्यालयों में सीखी गई भाषा का अध्यापन करेंगे। राज्य के कुछ विद्यालयों में इन भाषाओं को तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाने का प्रावधान है। उन्हें ऐसे स्कूलों में पदस्थापित किया जाएगा और यदि वह एक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम दस छात्रों को सप्ताह में न्यूनतम तीन कक्षाएँ लेकर उस भाषा का अध्यापन करते हैं तो वे प्रति माह 70/- रुपये नकद भत्ता पा सकते हैं। भत्ते के बारे में प्रासंगिक जानकारी केंद्रों के प्रधानाचार्यों के पास से अनुरोध करने पर उपलब्ध है।
- शिक्षकों को प्रशिक्षण उपरांत कुछ लाभ भी हैं जिनमें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, संबंधित भाषाओं के मूल वातावरण में अपने छात्रों के साथ राष्ट्रीय एकता शिविर करना शामिल हैं। संपर्क कार्यक्रम और विभिन्न राज्यों में विद्यालयों में बुक कॉर्नर की स्थापना अन्य लाभ हैं।
- भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम संप्रेषण कौशल में सुधार करने, आधुनिक तरीकों से भाषा और अन्य विषयों के अध्यापन को विकसित करके भाषा, साहित्य और संस्कृति में उनकी क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा।
- पाठ्यक्रम देश के विभिन्न भागों, विविध पृष्ठभूमि के लोगों से बातचीत करने और उनके व्यक्तित्व को विकसित करने का अवसर प्रदान करता है।

**LANGUAGE TEACHING PROGRAMME
AT REGIONAL LANGUAGE CENTRES OF
CENTRAL INSTITUTE OF INDIAN LANGUAGES**

A Unique Initiative

The Central Institute of Indian Languages (CIIL) was established by the Government of India in 1969. Located at Mysuru, CIIL functions as a subordinate office for the Ministry of Education, Department of Higher Education. In five decades of its existence, CIIL has emerged as a premier Institute for the development of all Indian languages. It is recognised within and outside the country for carrying out and supporting extensive research and publication on Indian languages. The Institute through its Regional Language Centres also offers an innovative programme with a goal of implementation of three language formula and thereby promote national integrity and social harmony. This 10-month language training programme is offered mainly to in-service, prospective teachers, research scholars and also to general public interested in developing a career in Indian languages. The trainees opting for this programme have found it bearing potential to cause positive changes and provide rewarding experiences.

Education serves as the basis for human development and growth of civilization and that language is one of the most significant means of imparting education. Language education plays a facilitative role in mental development and knowledge production. Learning a second or a third language broadens our mental horizon, develops cognitive abilities and widens cross-cultural and cross-linguistic understanding. It supports multilingualism and contributes to the development of languages and cultures. The Central Institute of Indian Languages offers a unique opportunity for learning a second language. By choosing to learn a second language, one can make a positive contribution to national integration and promote intercultural understanding and cooperation. This 10-month Diploma in Language Education of the Institute offers economic benefits and personality development that may also create promotional avenues in one's career. Interested? Apply at the earliest and make a difference in your life, in the lives of generations of your students and in the growth of your languages and cultures.

From the desk of the Director

On 17th July 1969, the Government of India established the Central Institute of Indian Languages (CIIL), for the promotion of Indian languages. Since then, the Institute has been carrying out this work by all means. In pursuance, CIIL established regional language centres in Karnataka, Odisha, Punjab, Maharashtra, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh and Assam and introduced a unique 10-month language training programme. This initiative of the Institute saw an immense response as it focussed on the implementation of the three language formula and contribute to national integration. Considering the language diversity of India and the need for conserving bi/multilingualism among its citizens, there has been a constant need for teachers who can teach regional languages and prepare pedagogical materials in them. The positive effects of learning a second language are well-known and accepted in social as well as academic spheres. I invite in-service teachers, prospective teachers, research scholars, general public youth and women, in particular, to apply for this 10-month language course and make the best of this opportunity.

Shailendra Mohan
Director, CIIL

10-MONTHS DIPLOMA IN LANGUAGE EDUCATION AT REGIONAL LANGUAGE CENTRES:

1. The Regional Language Centres with Modern Facilities for Language Teaching-Learning:

The Central Institute of Indian Languages has established seven Regional Language Centres at Mysuru, Bhubaneswar, Patiala, Pune, Solan, Lucknow and Guwahati (see Table 1) with a goal of training school teachers in a second language and thereby contribute to the implementation of three-language formula and national integration. As stated in National Education Policy 2020 para 4.13, there will be a greater flexibility in the three language formula. The States and Union Territories need to invest in large number of language teachers in the VIII Schedule languages of the Constitution of India. With over 5 decades of its experience in offering Language training programmes, the RLCs will help the government of India to produce large number of language teachers in Government and Government-aided schools and thereby continue to implement the three language formula effectively.

From the beginning of the Regional Language Centres offers 10-month Diploma in Language Education in second language over 5 decades usually from *July to April every year. It involves 1085 hours of effective language instruction and learning. The total intake of this residential programme is 506.*

This intensive training programme enables one to gain full mastery of the concerned second language. On successful completion, the trainees (in-service teachers) are required to teach the language learnt as a third language thereby contributing to the implementation of Three Language Formula in the concerned states.

The Regional Language Centres (RLCs) are located in seven states including Karnataka, Odisha, Punjab, Maharashtra, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh and Assam. The members of the academic staff at these Centres are trained in language teaching and Applied Linguistics. They have a rich experience of second language teaching-learning including curriculum development, preparation and evaluation of textbooks, testing, and translation. They not only provide training to the teachers but also open up new vistas in the study of language, culture, bilingualism, translation and other areas related to language education. The Regional Language Centres have adequate facilities for modern language teaching. Barring NERLC, Guwahati, all the Centres have a well-equipped language laboratory of 20-25 terminals and library with more than 15,000 books, journals and newspapers. The libraries at these centres house a wide range of books on literature and social sciences in the languages taught at the Centres, besides dictionaries, reference books, general books in applied linguistics, grammar, translation and various topics in English and other languages. The trainees can develop reading skills in the language they learn and fulfil their interests in other topics related to language, literature, criticism, social and language teaching.

Table 1: REGIONAL LANGUAGE CENTRES

Sl. No.	Centres	Languages Offered	Seats	
1.	Southern Regional Language Centre Manasagangotri, Mysuru – 570 006 Karnataka Ph.: 0821-2345045/54/55/2512128 Tel.Fax: 0821-2416699	Kannada, Malayalam, Tamil and Telugu	Kannada Malayalam Tamil Telugu	22 22 22 22
2.	Eastern Regional Language Centre Laxmisagar, Bhubaneswar – 751 006 Odisha Ph.: 0674-2974610 Fax: 0674-2572918	Bengali, Maithili, Oriya and Santali	Bengali Maithili Oriya Santali	22 22 22 22
3.	Northern Regional Language Centre Punjabi University Campus Patiala – 147 002 Punjab Ph.: 0175-2286730 Fax : 0175-2922927	Dogri, Kashmiri, Punjabi and Urdu	Dogri Kashmiri Punjabi Urdu	22 22 22 22
4.	Western Regional Language Centre Deccan College Campus, Pune – 411 006 Maharashtra Ph.: 020-26699041 Tel.Fax: 020-26614710	Gujarati, Konkani, Marathi and Sindhi	Gujarati Konkani Marathi Sindhi	22 22 22 22
5.	Urdu Teaching and Research Centre Saproon, Solan – 173 211 Himachal Pradesh Ph.: 01792-223424 Tel.Fax: 01792-225424	Urdu	Urdu	33
6.	Urdu Teaching and Research Centre TC/42-V, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010 Uttar Pradesh Ph.: 0522-2304917 Fax: 0522-2304918	Urdu	Urdu	33
7.	North Eastern Regional Language Centre 3931, Beltola College Road, Majipara, Bongaon, Guwahati – 781 028 Assam Ph.: 0361-2303867 Tel.Fax: 0361-2303152	Assamese, Bodo, Manipuri and Nepali	Assamese Bodo Manipuri Nepali	22 22 22 22
TOTAL			506	

2. Eligibility:

General:

- i. The applicant should not have any formal degree, native/nativised proficiency or informal knowledge in the language applied for.
- ii. The applicants should not have been trained in any of the languages at the Regional Language Centres or have discontinued or have been terminated from the RLCs.
- iii. The applicants can select a language from the list provided in Table 1.
 - (a) Applicants do not have any formal degree or informal knowledge in the language.
 - (b) It is not the Official language of the state in which you live.
- iv. **The applicants should select the language and Centre they want to learn carefully as change in the language choice and change of the Centre is not permissible after joining the course.**
- v. Preference of language should be clearly mentioned in the application. Otherwise, seats will be allotted according to the vacancies available in the Regional Language Centres.
- vi. The applicants opting for Urdu should clearly specify the name of the Regional Language Centre viz., **UTRC, Solan / UTRC, Lucknow / NRLC, Patiala** otherwise the seats will be allotted according to the vacancies available in the three Regional Language Centres.
- vii. If a candidate is selected in a particular year and if they have not reported to the language training, their candidature will not be considered for **next 3 years**.
- viii. He/she must be below **50 years** of age as on **1st August 2022**. Age relaxation may be considered only for In-service Teachers by the competent authority.
- ix. It should be noted that English, Hindi and Sanskrit languages are not taught in the 10-month Diploma in Language Education.

Specific:

The 10-month Diploma course in Language Education is meant only for in-service teachers. The applicants should compulsorily be a regular faculty. The concerned school authorities may have to send the Service Books in respect of teachers deputed to the Regional Language Centres concerned.

However, depending on the availability of seats, admission will also be provided to applicants who are Prospective Teachers, Research Scholars or General Public.

Research Students/Scholars:

Preference will be given to the Research students/Scholars who have registered for their Ph.D. in languages or allied subject and who feel that knowledge of the language and language studies will help their research work and those who have a long term interest in language or language development activities. Applicants under this category must send their application through their Department.

The essential qualifications for all the four categories are given below:

a) In-service Teachers

- i. A Bachelor's degree or equivalent with a minimum of three years teaching experience in a Primary/Higher Primary/High school in Government/Fully Government-aided schools.
- ii. Applicants having an equivalent qualification to M.A in any of the scheduled Indian languages must produce a "Qualification Equivalent Certificate" from DEO.

b) Prospective Teachers

A Bachelor's or Master's Degree in Education (B.Ed./M.Ed.) or B.El.Ed. or D.El.Ed or TET qualified candidates

c) Research Scholars

Ph.D. pursuing scholars or
NET/SET/SLET qualified candidates

d) General Public

- i. A Bachelor's degree from a recognised university
- ii. A Diploma from a recognised university **or**
- iii. Ph.D. completed/awarded from any recognised University

3. How to ensure Admission with Full Benefits:

- i. Applicants must download and send the **hard copy** of the application in the prescribed form which is available in the Institute's website: www.ciil.org/ltp.aspx along with a crossed demand draft for **Rs.150/- (Rupees One Hundred and Fifty only)**. Demand Draft should be drawn in favour of '**MHRD HIGHER CAS CLG**' payable at **New Delhi**. The application must reach the Institute before the due date.
- ii. In-service teachers must submit their application through proper channel duly certified and forwarded by the Headmaster of the School and BEO/DEO/BDO/CEO/EO/DPI/ DDPI/ ZEO/BSA/Inspector of schools. In-service Teachers may send an advance copy, if not signed by the concerned authority at the time of applying. However, duly signed hard copy should reach before the admission.
- iii. Teachers from Government/Fully Government-aided schools must produce their last pay certificate indicating details such as basic pay, scale of pay, DA, ADA, HRA, CCA, date of increment etc. If the pay is revised during the period of training, the applicant must produce the revised pay certificate with allowances. If deputation allowance or any other special allowance is permissible to be paid during the training period, this may also be mentioned in the last pay certificate.
- iv. The Centres do not pay employer's contribution under the scheme of Contributory Fund. Applicants must make necessary arrangements for this.
- v. Prospective teachers/research scholars and general public must submit their applications directly to the Director, CIIL along with supporting documents. Besides this, PhD pursuing scholars must have completed the Ph.D. coursework and also attach a "Ph.D. Registration Certificate" and "No Objection Certificate" from their University and their applications should be forwarded by their Guides. The Ph.D. pursuing scholars must submit an undertaking at the time of joining the RLCs that he/she will attend the classes regularly failing which he/she will be terminated from the course.
- vi. The reservation of seats belonging to SC, ST, OBC and EWS categories is available as per the Constitutional provision. The applicants may avail this, if eligible.
- vii. All applicants must submit a certificate of fitness issued by a Medical Officer stating that the concerned applicant is physically fit and can sustain food and environmental conditions of the place of training. This may be sent along with the application form.

4. Travel to the Centre:

- i. After getting relieve order from the place of work, the in-service teachers must take minimum time to travel to the Regional Language Centre by the shortest route either by rail (II sleeper class only) or by bus (non Deluxe/AC buses), if the place is not connected by rail. If one spends more than the minimum travel on the journey, she/he will not get salary/TA/DA for the extra period.
- ii. The selected candidates are expected to reach the Centre on the day prescribed for the beginning of the course. However, the Principal has the discretion to grant permission of reporting late up to 10 days.

5. Training Programme at the Centres:

- i. This language training programme includes Basic, Intermediate and Advanced Course(s) for 14, 12 and 12 weeks respectively. There is 5.5 hours of instruction on each working day;

Periodical tests and final examination are conducted at the end of each course. It is essential to secure 60% pass marks in the assignments and examinations in order to avail all the benefits associated with the training.

- ii. Generally the instructional materials prepared and used by the Centres are provided to the trainees.
- iii. Language Environment Tour for two weeks is mandatory. This provides an intensive natural language environment for improvement of speaking, listening and understanding skills and direct interaction with the people and their social customs, beliefs and culture. If trainees are unable to join the tour for reasons beyond their control, they require a prior permission of the Principal and Director in the matter. This period will be considered as period without pay and the trainee should complete a special assignment given by the concerned language faculty. The Regional Language Centres will not grant any kind of advances other than TA advance during the Language Environment Tour to the trainees.
- iv. A mid-term vacation of 15 days is given on the completion of Basic course. Prefixing or suffixing Casual Leave or any other kind of leave is not allowed. The duration may be reduced or abolished in exceptional circumstances.
- v. A period of 10 days casual leave will be provided during the training period for all the trainees. No other leave will be granted to trainees other than the above. However, if any other leave is availed by the In-service teachers, as per Government of India leave rules, no stipend will be admissible for such period.
- vi. During the training period, trainees are not permitted to undertake studies/short term projects. They may not appear for any examination during the language training.
- vii. Trainees are expected to be present for all classes and follow the rules and regulations of the Centre.
- viii. They will be governed by the discipline and conduct of the Govt. of India rules during the period of training.
- ix. In general, trainees cannot withdraw from the training programme. However, in exceptional cases, the trainee may approach the competent authority for consideration of the same.
- x. The Director may terminate a trainee in case of absence without permission, poor performance in study or any other misconduct. In such circumstances, the entire cost incurred by the Centre on the trainee may be recovered from him/her.
- xi. The Director reserves the right to relax/modify/revoke/amend any of the conditions of deputation, the right of admission and the allotment of a language for learning depending upon the number of applicants, number of seats available or any other such contingency.
- xii. Trainees must also submit an Undertaking that if he/she leaves in the middle of the training, the total amount of incentive and stipend received may be recovered from him/her.
- xiii. No interim correspondence regarding the selection of trainees shall be entertained.
- xiv. The trainees are expected to secure the minimum pass marks in the assignments and examinations. In case of failures in Basic Course Examination/Intermediate Course Examination, the failed Trainee will be given a chance to appear for re-examination. If the Trainee fails again, he/she will be relieved from the Training.

6. Stay at the Hostel:

- i. The trainees may be provided with modest hostel facilities/accommodation depending upon availability.
- ii. The trainees may stay in the hostel/accommodation which is provided by the Centre on a nominal monthly rent. Family members of the trainees are not allowed to stay in the Hostel.
- iii. A trainee may be permitted to stay outside the hostel on producing genuine reason and obtaining permissions of the Principal and the approval of the Director.

- iv. A mess deposit as specified by the Principal is payable at the beginning of training. The deposit is refundable after adjusting expenses due to damage or any loss during the training period.
- v. A contractor of the Regional Language Centre may run the hostel mess or it may be run with the help of the representatives of the trainees with the guidance of the Warden of the Centre. Trainees may pay the mess charges directly to the Warden or the Office may deduct them at the time of making payment of monthly stipend.

7. Benefits of the Training Programme:

TA/DA:

TA/DA will be paid only for In-service teachers for their onward and return journeys as per their eligibility.

EMOLUMENTS:

The selected In-service teachers from Government/Fully Government Aided schools will be paid their salaries based on the Last Pay Certificate sent by their respective Drawing and Disbursing Officers duly countersigned by the Inspector of Schools/DEO.

INCENTIVES:

The Prospective Teachers and Research Scholars will be paid an amount of Rs. 5,000/- (Rupees Five Thousand only) per month as an incentive to learn a language from the RLCs.

STIPEND:

All trainees will be paid a stipend of Rs.800/- (Rupees Eight Hundred only) per month during the training period.

Please note that the applicants admitted under General Public category are entitled to stipend only.

Post-Training Benefits:

- i. After the completion of the training programme, the teachers are expected to teach the language they have learnt at the Centres in their school. There is a provision for teaching these languages as a third language in some schools of the state. He/She will be posted in such schools and if he/she teaches a language for a minimum of three periods a week to at least ten students for one academic year, he/she is entitled to get Rs 70/- per month as **Cash Allowance**. The relevant information about claiming allowance is available on request with the Principals of the Centres.
- ii. The teachers have some post-training benefits that include Refresher Courses, National Integration Camps along with their students in the native environment of the languages concerned. Contact programme and the establishment of Book corners in schools in different states are other benefits.
- iii. The language training programme would help to improve the communication skills, develop modern methods of teaching language(s) and other subjects, and increase their competence in language, literature and culture.
- iv. The course provides an opportunity to interact with people from different parts of the country with diverse backgrounds and develop their personality.

हमें लिखें

निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान
(शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग
भारत सरकार)
मानसगंगोत्री, हुणसूर रोड,
मैसूरु - 570 006

हमें कॉल करें

आर एल सी अनुभाग: (0821) 2345156
फैक्स: (0821) 2515032 (कार्यालय)

हमें ईमेल करे

rlc.ltp.app@gmail.com

वेब

<http://www.ciil.org/ltp.aspx>

Write to us

The Director
Central Institute of Indian Languages
(Ministry of Education
Department of Higher Education, Govt. of India)
Manasagangotri, Hunsur Road,
Mysuru - 570 006

Call us

RLC Section: (0821) 2345156
Fax: (0821) 2515032 (Off)

E-mail us

rlc.ltp.app@gmail.com

Visit us

<http://www.ciil.org/ltp.aspx>



भारतीय भाषा संस्थान
और
क्षेत्रीय भाषा केंद्रों

**CENTRAL INSTITUTE OF INDIAN LANGUAGES
&
REGIONAL LANGUAGE CENTRES**



E-mail us
rlc.ltp.app@gmail.com